राष्ट्रीय शैक्षकि अनुसंधान एवं प्रशकि्षण परषिद को डीम्ड-टू-बी-यूनविर्सटी का दर्जा

प्रलिमि्स के लयि:

राष्ट्रीय शैक्षकि अनुसंधान और प्रशकि्षण परषिद, डीम्ड-टू-बी-यूनविर्सटी, राष्ट्रीय शकि्षा नीत2020, डनिोवो श्रेणी

मेन्स के लयि:

डीम्ड यूनविर्सटी का दर्जा और इसके लाभ, भारतीय शकि्षा प्रणाली में सुधार

स्रोत: पी.आई.बी.

चर्चा में क्यों?

हाल ही में नई दलि्ली में राष्ट्रीय शैक्षकि अनुसंधान और प्रशकि्षण परषिद (National Council of Educational Research and Training - NCERT) का 63वाँ स्थापना दविस मनाया गया, जसिमें NCERT की उल्लेखनीय उपलब्धयिों को देखते हुए उसे सम्मानति **डीम्ड-टू-बी-यूनविर्सटी** का दर्जा दयिा गया।

आयोजन के प्रमुख बदिु:

- **'जादुई पटिारा' के माध्यम से प्रारंभकि शकि्षा में क्रांत:**
    - राष्ट्रीय शैक्षकि अनुसंधान एवं प्रशकि्षण परषिद द्वारा वकिसति 3 से 8 वर्ष की आयु वर्ग के बच्चों के लयि खेल पर आधारति शकि्षण-प्रशकि्षण सामग्री **जादुई पटिारा** को बदलाव के एक साधन के रूप में देखा जा रहा है, जसिसे देश के 10 करोड़ बच्चों को लाभ होगा।
- **मातृभाषा को बढ़ावा और उन्नत प्रौद्योगकियिों का एकीकरण:**
    - इसमें क्षेत्रीय भाषाओं को संरक्षति करने तथा उन्हें बढ़ावा देने के लयि**मातृभाषाओं में शैक्षकि सामग्री वकिसति करने के महत्त्व पर बल** दयिा गया।
        - इसके अतरिक्ति इस बात पर भी प्रकाश डाला गया कि NCERT **अणुवादनी जैसे सॉफ्टवेयर** की मदद से सभी 22 भाषाओं में शैक्षकि सामग्री वकिसति करने के लयि प्रतबिद्ध है।
    - इस कार्यक्रम में **राष्ट्रीय शैक्षकि अनुसंधान एवं प्रशकि्षण परषिद के सभी 7 क्षेत्रीय केंद्रों में ऑगमेंटेड रयिलटी, वर्चुअल रयिलटी और आर्टफिशियिल इंटेलजिेंस लैब स्थापति करने का सुझाव** दयिा गया।
        - इसका उद्देश्य भारत को अनुसंधान और नवाचार का वैश्वकि केंद्र बनाने के लयि इन केंद्रों को भवषि्य के लयि तैयार बुनयिादी ढाँचे के साथ वशि्व भर की नवीनतम प्रौद्योगकियिों से सुसज्जति करना है।
- **उद्योग 4.0 के लयि तैयारी और शकि्षक प्रशकि्षण का मानकीकरण:**
    - इस कार्यक्रम में **शकि्षक प्रशकि्षण पाठ्यक्रम को मानकीकृत करने, इसे प्रारंभकि बचपन देखभाल और शकि्षा (Early Childhood Care and Education- ECCE) ढाँचे के सद्धिांतों** के साथ संरेखति करने का आह्वान कयिा गया।
    - उद्योग 4.0 द्वारा उत्पन्न चुनौतयिों के समाधान के लयि भारत के युवाओं को तैयार करने पर ध्यान देने के साथ भारत के कोवडि-19 महामारी प्रबंधन और चंद्रयान 3 जैसे समसामयकि वषियों को कवर करने वाली संक्षप्ति पुस्तकिाएँ बनाने का प्रस्ताव रखा गया था।
        - इसका उद्देश्य भारतीय मूल्यों और लोकाचार को स्थापति करते हुए युवा पीढ़ी को नवीनतम वकिास के बारे में जानकारी प्रदान कर जागरूक करना है।

राष्ट्रीय शैक्षकि अनुसंधान और प्रशकि्षण परषिद:

- राष्ट्रीय शैक्षकि अनुसंधान और प्रशकि्षण परषिद एक **स्वायत्त** संगठन है जसिकी स्थापना वर्ष 1961 में सोसायटी पंजीकरण अधनियिम के तहत की गई थी।
    - यह स्कूली शकि्षा से संबंधति मामलों पर केंद्र और राज्य सरकारों को सलाह देने वाली शीर्ष संस्था है।
- यह नमि्नलखिति से संबंधति वभिनि्न गतविधियिों और कार्यक्रमों का संचालन करती है:

- शैक्षिक अनुसंधान और नवाचार
- पाठ्यचर्या विकास एवं पुनरीक्षण
- पाठ्यपुस्तकों और अन्य शिक्षण-अधिगम सामग्री का विकास
- शिक्षक शिक्षा और व्यावसायिक विकास
- शैक्षिक मूल्यांकन एवं आकलन
- शिक्षा क्षेत्र में अंतर्राष्ट्रीय सहयोग

- राष्ट्रीय शिक्षा नीति (NEP) 2020 के अनुसार, **प्रारंभिक बाल्यावस्था देखभाल एवं शिक्षा (ECCE), स्कूली शिक्षा और वयस्क शिक्षा** के लिये NCERT राष्ट्रीय पाठ्यचर्या रूपरेखा (NCF) विकसित करने वाली प्रमुख एजेंसी है।

डीम्ड यूनिवर्सिटी:

- **परिचय**:
  - डीम्ड यूनिवर्सिटी उच्च शिक्षा हेतु एक संस्थान है जिसे **UGC अधिनियम, 1956 की धारा 3** के तहत विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (UGC) द्वारा मान्यता प्रदान की जाती है।
    - यह संसद या राज्य विधानमंडल के किसी अधिनियम द्वारा स्थापित या निगमित नहीं है, बल्कि **UGC की सिफारिश पर केंद्र सरकार द्वारा इसे विश्वविद्यालय का दर्जा प्रदान किया गया है**।
  - एक डीम्ड यूनिवर्सिटी को **शैक्षणिक स्वायत्तता** प्राप्त है तथा वह अपने स्वयं के पाठ्यक्रम, प्रवेश मानदंड, शुल्क संरचना, संकाय भर्ती तथा परीक्षा प्रणाली डिज़ाइन कर सकती है।
- **डे-नोवो श्रेणी (De-Novo Category):**
  - NCERT को 'डे-नोवो' श्रेणी के तहत डीम्ड यूनिवर्सिटी का दर्जा दिया गया है, **जिसका अर्थ है कि इसे ज्ञान के नए या उभरते क्षेत्र में उत्कृष्टता के लिये मान्यता दी गई है**।
    - डे-नोवो इंस्टीट्यूशन अद्वितीय और **"ज्ञान के उभरते क्षेत्रों" (Emerging Areas of Knowledge) जैसे- जैव प्रौद्योगिकी,** नैनो टेक्नोलॉजी, **अंतरिक्ष विज्ञान इत्यादि** में शिक्षण एवं अनुसंधान में नवाचारों के लिये समर्पित एक संस्थान है।
- **डीम्ड यूनिवर्सिटी का दर्जा प्राप्त करने के लाभ:**
  - वे किसी अन्य प्राधिकरण से अनुमोदन प्राप्त किये बिना **शिक्षा क्षेत्र की बदलती ज़रूरतों तथा मांगों के लिये प्रासंगिक, नए पाठ्यक्रम और कार्यक्रम** भी शुरू कर सकते हैं।
  - वे **अकादमिक आदान-प्रदान, अनुसंधान परियोजनाओं, संकाय विकास** और छात्र गतिशीलता के लिये राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय विश्वविद्यालयों तथा संस्थानों के साथ सहयोग कर सकते हैं।
  - वे विविध पृष्ठभूमि और क्षेत्रों से जुड़े अधिक छात्रों तथा शिक्षकों को आकर्षित कर सकते हैं, साथ ही **विभिन्न स्रोतों से आर्थिक सहायता** भी प्राप्त कर सकते हैं।
  - वे **NEP 2020 को लागू करने में** अधिक सक्रिय भूमिका निभा सकते हैं, जो भारत में स्कूली शिक्षा प्रणाली में बदलाव की परिकल्पना करता है।

UPSC सिविल सेवा परीक्षा, विगत वर्ष के प्रश्न

??????????:

प्रश्न. वुड डिस्पैच के बारे में निम्नलिखित कथनों में से कौन-से सही हैं? (2018)

1. सहायता अनुदान व्यवस्था (ग्रांट्स-इन-एड) शुरू की गई।
2. विश्वविद्यालयों की स्थापना की सिफारिश की गई।
3. शिक्षा के सभी स्तरों पर शिक्षण माध्यम के रूप में अंग्रेज़ी की सिफारिश की गई।

नीचे दिये गए कूट का प्रयोग कर सही उत्तर चुनिये:

(a) केवल 1 और 2
(b) केवल 2 और 3
(c) केवल 1 और 3
(d) 1, 2 और 3

उत्तर: (a)

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/ncert-attains-deemed-university-status